No. of Printed Pages : 3

**ई.एच.डी.-1**

04797

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम

## सत्रांत परीक्षा

## दिसंबर, 2011

## ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

## ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :*** *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पहला प्रश्न **अनिवार्य** है।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किन्हीं तीन*** की प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(क) इन्हें तो नाते-रिश्तेवालों से कुछ लेना-देना नहीं, पर मुझे तो सबसे निभाना पड़ता है। मैं भी सबसे तोड़-ताड़कर बैठ जाऊँ तो कैसे चले! मैं तो इनसे कहती हूँ कि जब पल्ला पकड़ा है तो अंत समय में भी साथ ही रखो, सो तो इनसे होता नहीं। सारा धरम-करम ये ही लूटेंगे, सारा जस ये ही बटोरेंगे और मैं अकेली पड़ी-पड़ी यहाँ इनके नाम को रोया करूँ। उस पर से कहीं आऊँ-जाऊँ, वह भी इनसे बर्दाश्त नहीं होता।

(ख) क्या जीवन में इससे बड़ी विपत्ति की कल्पना की जा सकती है? क्या संसार में इससे घोरतर नीचता की कल्पना हो सकती है? आज तक किसी पिता ने अपने पुत्र पर इतना निर्दय कलंक न लगाया होगा। जिसके चरित्र की सभी प्रशंसा करते थे, जो अन्य युवकों के लिए आदर्श समझा जाता था, जिसने कभी अपवित्र विचारों को अपने पास नहीं फटकने दिया, उसी पर यह घोरतर कलंक!

(ग) बड़ा अनर्थ हो रहा है। देखो, देखो, प्रद्युम्न, पूर्वजों के चित्र क्रोध से हमको देख रहे हैं। उनके कपड़े क्रोध से हिल रहे हैं। कमरे का वातावरण गुम-सुम हो गया है। हमारी वाणी सूखी जा रही है। क्या तुम कुछ भी नहीं देखते! अच्छा तुम इस घर से चले जाओ।

(घ) निर्लज्ज! मद्यप!! क्लीव!!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं? (ठहर कर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी। मैं उपहार देने की वस्तु, शीतल मणि नहीं हूँ। मुझ में रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूँगी।

(ङ) कालिदास ने कहा था कि सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नये खराब ही नहीं होते। भले लोग दोनों की जाँच कर लेते हैं, जो हितकर होता है उसे ग्रहण करते हैं और मूढ़

लोग दूसरों के इशारे पर भटकते रहते हैं। सो, हमें परीक्षा करके हितकर बात सोच लेनी होगी और अगर हमारे पूर्वसंचित भंडार में वह हितकर वस्तु निकल आवे, तो इससे बढ़कर और क्या हो सकता है?

2. द्विवेदी युगीन हिंदी गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'आकाशदीप' कहानी के आधार पर चंपा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

4. 'निर्मला' उपन्यास के प्रतिपाद्य में निहित मुख्य समस्या का निरूपण कीजिए। 16

5. रीढ़ की हड्डी' एकांकी के संरचना-शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की भाषा और संवादों की विशेषताएं बताइए। 16

7. 'मित्रता' निबंध की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 16

8. भारतेन्दुयुगीन नाटक के विकास का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 16

9. ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियां लिखिए : 8x2=16

(क) यात्रावृत्त और रिपोर्ताज

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' का प्रतिपाद्य

(ग) 'अकेली' कहानी का संरचना-शिल्प

(घ) प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी

(ङ) 'संस्कार और भावना' की कथावस्तु